पर्यटन क्षेत्र पर कोविड–19 के आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन : उदयपुर शहर के संदर्भ में अध्ययन

*विजय कुमार मीना
**डॉ. विजय सिंह मीना
***अभिषेक शर्मा

शोध सारांश

कोविड–19 ने पूरी दुनिया में त्राहिमाम जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी जिससे विकास की प्रत्येक धारा प्रभावित हुई जिसमे एक पर्यटन है। तीव्र गति से विकसित होने वाले पर्यटन उद्योग पर कोविड–19 के कारण प्रतिबंधों से आर्थिक–सामाजिक प्रभाव झेलना पड़ा। एशिया पेसिफिक के दूसरे महत्वपूर्ण पर्यटन केन्द्र भारत को भी आर्थिक प्रभाव झेलने पड़े। राजस्थान में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाले पर्यटन उद्योग में अन्तर्देशीय व अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में भारी कमी दर्ज की गयी। उदयपुर राजस्थान का द्वितीय दर्शनीय महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। उदयपुर में 2018 में विदेशी पर्यटकों की संख्या सर्वाधिक 207016 तथा 2019 में सर्वाधिक घरेलू पर्यटकों की संख्या 996718 रही। इसमें प्री कोविड, कोविड के दौरान, पोस्ट कोविड में पर्यटन प्रवृत्ति का विश्लेषण किया गया। यह विश्लेषण पांच वर्षों (2017–2021) के आंकड़ों पर आधारित है। विश्लेषण के साथ अध्ययन में चयनित हितधारकों (होटल, रिटेल सेक्टर, गाइड, हैण्डीक्राफ्ट, टेक्सी ट्रेवल, फास्ट फूड शॉप) पर आर्थिक प्रभाव का अध्ययन किया गया क्योंकि इन हितधारकों, जो कि उदयपुर पर्यटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है, प्रभावित हुए है तथा इनके अध्ययन में गुणात्मक शोध की कमी देखी गयी।

अध्ययन में अनुसूची, संरचित/असंरचित साक्षात्कार का प्रयोग किया गया है। पर्यटन प्रवृत्ति के विश्लेषण में द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया। पर्यटन की प्रवृत्ति के विश्लेषण के साथ चयनित हितधारकों के आर्थिक प्रभाव को अंतर्संबंधित कर आंकलन किया गया। अध्ययन में पाया गया कि लॉकडाउन से प्री की स्थिति, दौरान की स्थिति, पोस्ट कोविड की स्थिति में अधिकतम सकारात्मक प्रभाव लॉकडाउन से पूर्व और सर्वाधिक नकारात्मक प्रभाव लॉकडाउन के दौरान तथा पोस्ट कोविड में औसत प्रभाव की स्थिति पाई गई। चयनित हितधारकों की आय, पर्यटक ग्राहको की संख्या में कमी, लॉकडाउन के दौरान अन्य जॉब पर कार्य करना, लॉकडाउन के बाद जॉब छूटने के बाद पुनः प्राप्ति/स्थापित करना में चुनौती देखी गयी। उत्तरदाताओं द्वारा लॉकडाउन के दौरान अनुभव साझा करने के साथ घरेलू/अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हेतु सुझाव दिये ताकि उदयपुर शहर में पर्यटन की स्थिति प्री कोविड जैसी हो सके। इस अध्ययन द्वारा चिन्हित हितधारकों की आर्थिक–सामाजिक स्थिति में सुधार करने में सहायता मिलेगी और उदयपुर का पर्यटन फिर से पुर्नजीवित होने लगेगा।

संकेत शब्द – कोविड–19, चयनित पर्यटन हितधारक, पर्यटन आर्थिक प्रतिबंध व प्रभाव, पर्यटन प्रवृत्ति विश्लेषण (2017–2021)

परिचय

2020 के शुरूआती चरण से ही कोरोना महामारी के विश्व भर में प्रसरण के बाद विभिन्न देशों ने पर्यटकों पर प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिये थे। वर्तमान संदर्भ में कोविड–19 के कारण पर्यटन उद्योग समाजिक–आर्थिक रूप से प्रभावित हुआ है जिससे 50 मिलियन रोजगार व 1000 बिलियन डॉलर की क्षति हुई है। पर्यटन उद्योग विश्व में तीव्र गति से सेवा क्षेत्र का व सर्वाधिक रेवेन्यू प्रदान करने वाला उद्योग है।

एशिया पेसेफिक में भारत दूसरी महत्वपूर्ण ''डेस्टीनेशन साईट'' के रूप में उभरा है। 2019 में भारत ट्रेवल व टूरिज्म कम्पीटिटिव इन्डेक्स में 136 देशों में 34वें स्थान पर था। 2019 में भारत में पर्यटन उद्योग की वृद्धि दर 4.9 प्रतिशत रही जिसकी क्षमता 194 बिलियन डॉलर थी तथा 8.75 करोड़ लोग विभिन्न स्तर पर प्रभावित हुए। इसके अतिरिक्त भारत में रेवेन्यू, रोजगार अवसर, सुरक्षा, स्वास्थ्य प्रभावित हुए।

राजस्थान में पर्यटन को उद्योग का दर्जा 1989 में दिया गया। राजस्थान भारत के पर्यटन क्षेत्र में क्रमशः अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों का 11.2 प्रतिशत व घरेलू पर्यटकों का 3.3 प्रतिशत भाग रखता है। कोविड–19 से अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों में 59.4 प्रतिशत तथा भारतीय पर्यटकों में

69.3 प्रतिशत की कमी हुई। कृषि व टेक्सटाइल उद्योग के बाद राजस्थान में पर्यटन उद्योग सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाला उद्योग है। 2018–19 में 27.68 मिलियन डॉलर राज्य का बजट पर्यटन क्षेत्र को आवंटित किया गया।

उदयपुर में झीलों, पहाड़ियों, ऐतिहासिक स्थलों व आर्किटेक्चर ने इसे 'टूरिस्ट मेग्नेट' बना दिया है। पर्यटन के क्रम में उदयपुर में 2019 में सर्वाधिक 9,96,718 पर्यटक आए। राज्य में उदयपुर जयपुर के बाद दूसरा सर्वाधिक देखे जाने वाला स्थल है।

अध्ययन क्षेत्र

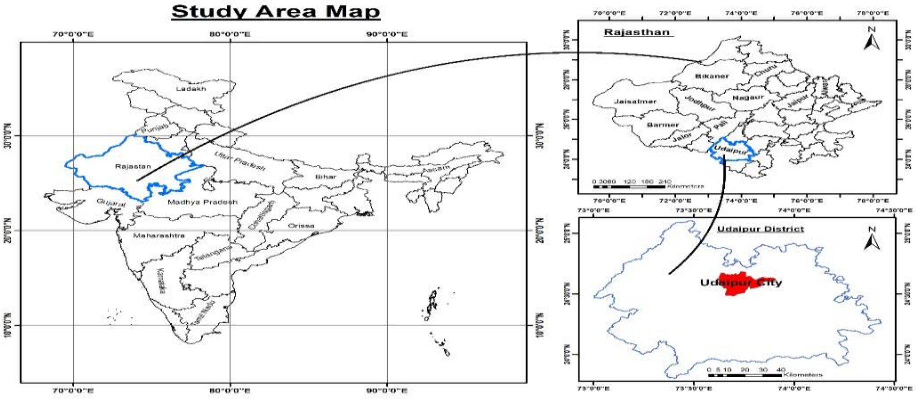

Source: Survey of india

उदयपुर एक ऐतिहासिक नगर जिसकी स्थापना सामरिक दृष्टि से 1559 ई. में महाराणा उदयसिंह ने की। उदयपुर भारत के पूर्वी भाग तथा राजस्थान के दक्षिणी भाग में अरावली के बीच में स्थित झीलों की नगरी है जिसकी ऊँचाई औसत समुद्र तल से 1893 फीट है। उदयपुर शहर 24°41′9.092′′ से 24°28′53.1012′′ उत्तरी अक्षांश तथा 73°54′39.7656′′ से 73°36′56.5704′′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। इसका क्षेत्रफल 17,279 वर्ग किलोमीटर है।

प्राकृतिक सौन्दर्य युक्त उदयपुर पहाड़ियों, झीलों में धनी है। उदयपुर के पर्यटन स्थल प्राकृतिक तत्त्वों (जल, जल संरक्षण क्षेत्र, पर्वत, घने वन, पशु–वनस्पति, नदियाँ) व मानवीय तत्त्वों (झील, बगीचे, दुर्ग दीवारें, ऐतिहासिक स्मारक, धार्मिक संरचना) दोनों के साथ सुन्दर सामंजस्य युक्त है। उदयपुर अपनी जनसंख्या से दुगुनी मात्रा में पर्यटकों को आकर्षित करता है। कोविड से उदयपुर में पर्यटन के क्षेत्र में होटल, ट्रेवल एजेन्सी एण्ड एजेन्ट, रेस्तरां, पारिवारिक मनोरंजन, वायु सड़क परिवहन सभी प्रभावित हुए।

उद्देश्य

उदयपुर शहर मे 2017 –2021 के दौरान पर्यटन प्रवृति के विश्लेषण के साथ चयनित पर्यटन हितधारकों पर कोविड 19 से आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण करना

विधितंत्र

आंकड़ों का संग्रहण – विधि तंत्र में प्राथमिक आंकड़ों का संग्रहण अनुसूची तथा संरचित/असंरचित साक्षात्कार द्वारा किया गया। इसमें उदयपुर पर्यटन सेक्टर के छः हितधारकों (टूरिस्ट गाइड, हेन्डीक्राफ्ट, रिटेल सेक्टर, होटल, टेक्सी, फास्ट फूड शॉप) को शामिल किया गया है। इसमें स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा 50 सेम्पल निर्धारित किये गये व अनुसूची के माध्यम से आंकड़े संग्रहित किये गये। द्वितीयक आंकड़ों का संग्रहण उदयपुर में स्थित प्रादेशिक पर्यटन ऑफिस व स्वागत केन्द्र से संग्रहित किये गये।

निम्न हितधारकों के चयन का आधार

उदयपुर के मुख्य पर्यटन स्थलो के क्षेत्र मे इन्ही पर्यटन गतिविधियों का प्रमुखता से संकेन्द्रण पाया जाता है ,जहां के पर्यटन हितधारक

उदयपुर पर्यटन मे व क्षेत्रीय विकास का आधार है। अध्ययन के उद्देश्य के अनुरूप इसमे पर्यटकों को शामिल नहीं किया गया।

प्रतिदर्शों की संख्या

S. No.	Category	No. of Firm and Individual
1.	टूरिस्ट गाइड	7
2.	रिटेल सेक्टर	10
3.	होटल	6
4.	हेण्डीक्राफ्ट	10
5.	टेक्सी	10
6.	फास्ट फूड	7

SAMPLE LOCATION MAP

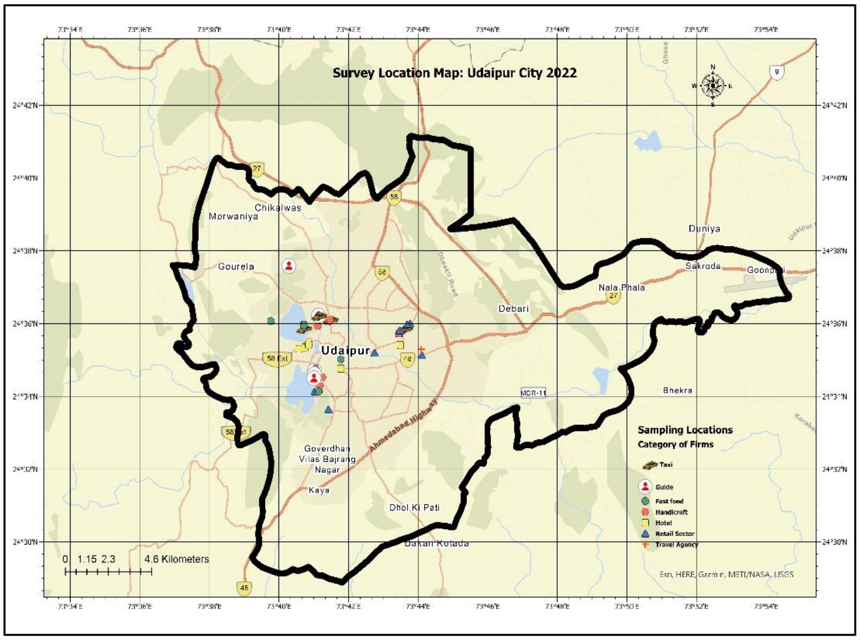

Source: Esri, HERE, Garmin,METI/NASA,USGs,2022

- **आंकड़ों का विश्लेषण**

उपयुक्त आंकड़ों को माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल मे इनपुट कर वर्गीकृत और आकलित किया गया तथा ग्राफ के माध्यम से प्रदर्शित कर ग्राफ का व्याख्यात्मक व वर्णनात्मक विशेषण प्रस्तुत किया गया

➢ पर्यटकों की संख्या की प्रवृत्ति का विश्लेषण

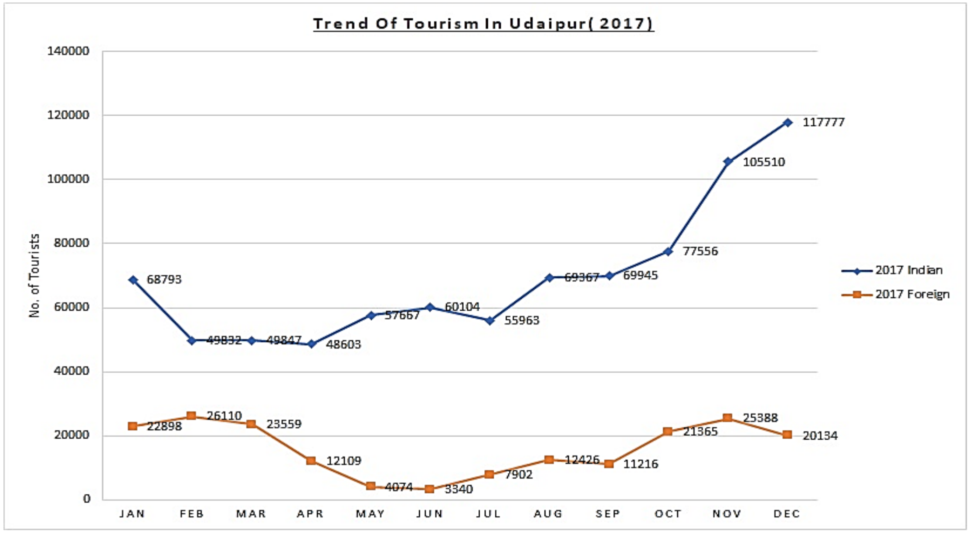

ग्राफ – A

Source : RTO, Udaipur

ग्राफ A से स्पष्ट है कि 2017 में सर्वाधिक 11,777 भारतीय पर्यटक दिसम्बर में आए तथा न्यूनतम अप्रैल में 48,603 आए तथा विदेशी पर्यटक सर्वाधिक फरवरी में तथा न्यूनतम 3340 जून में आए। नवंबर –दिसंबर –जनवरी मे मौसम ठंडा मनोहर रहता है जिससे पर्यटक ज्यादा आते है जबकि गर्मियों मे उच्चताप अर्थात विषम जलवायु के कारण पर्यटक कम आते है

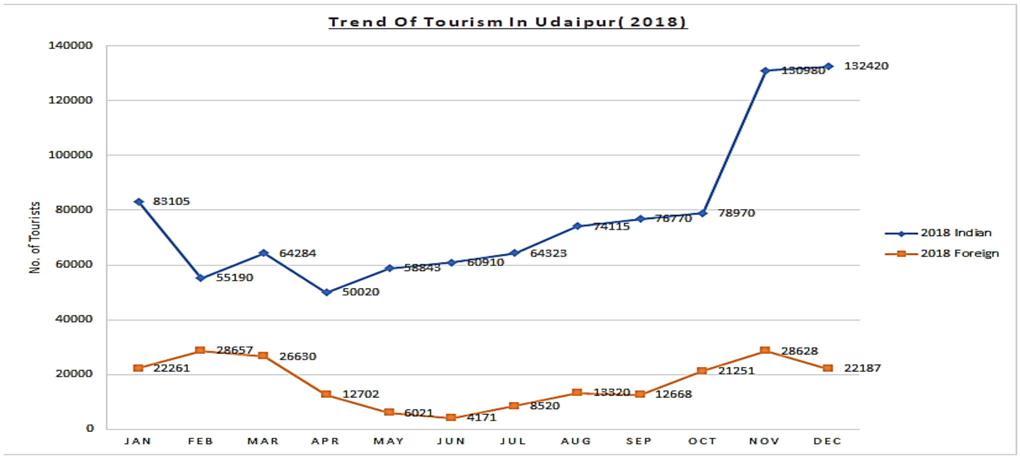

ग्राफ–B

Source : RTO, Udaipur

ग्राफ B से स्पष्ट है कि 2018 में उदयपुर में सर्वाधिक 132420 भारतीय पर्यटक दिसम्बर में आए व न्यूनतम अप्रैल में 50020 आए तथा विदेशी पर्यटक सर्वाधिक फरवरी में 28657 आए तथा न्यूनतम जून में 4171 आए। इसमे भी अक्टुम्बर –नवंबर –दिसंबर मे पर्यटन सीजन से पर्यटक ज्यादा आते है वही विदेशी पर्यटक ठंडी जलवायु के अनुकूल होने से शीत महीनो को महत्व देते है

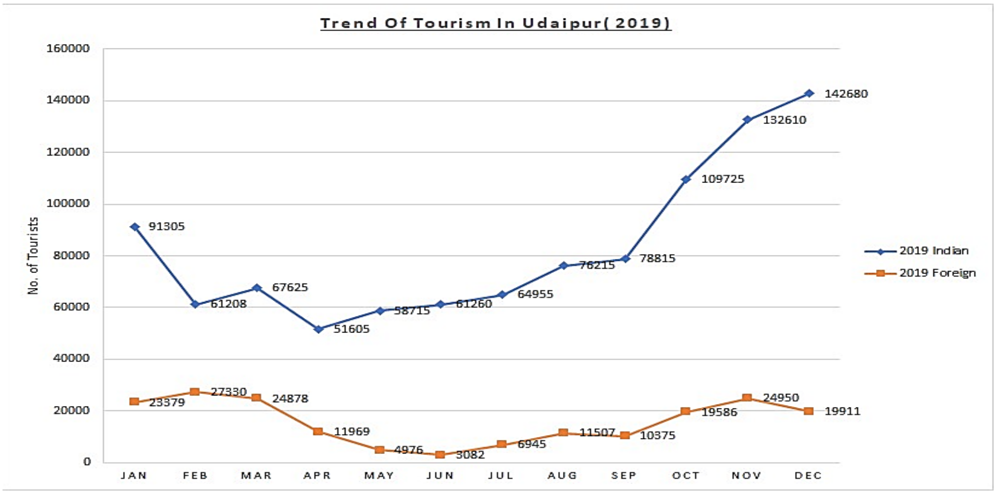

ग्राफ–C **Source : RTO,udaipur**

ग्राफ C से स्पष्ट है कि 2019 में उदयपुर में सर्वाधिक 142680 भारतीय पर्यटक दिसम्बर में तथा न्यूनतम अप्रैल में 51605 आए। वही विदेशी पर्यटक सर्वाधिक फरवरी में 27330 तथा न्यूनतम जून में 3082 आए। सौहार्दपूर्ण जलवायु व पर्यटन सीजन के कारण दिसम्बर –जनवरी –फरवरी मे पर्यटन अधिक है तथा सुखद जलवायु की कमी से अप्रैल –मई –जून मे पर्यटन कम है।

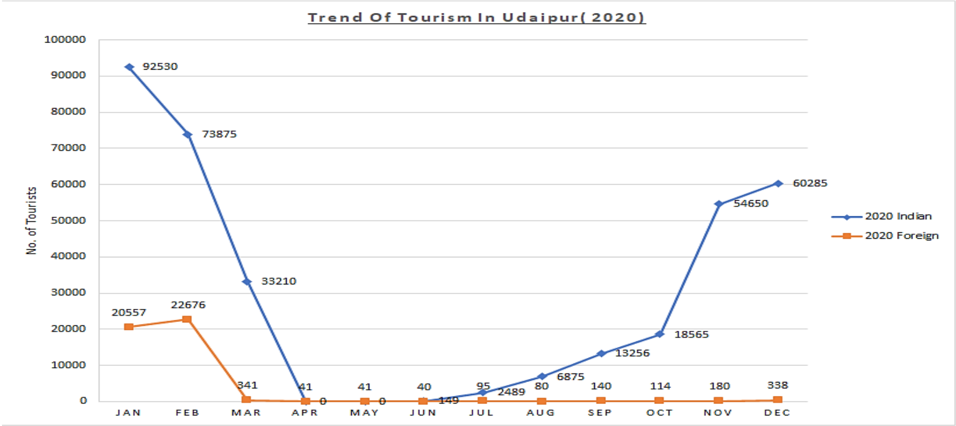

ग्राफ – D **Source : RTO, Udaipur**

ग्राफ D से स्पष्ट है कि 2020 में उदयपुर में सर्वाधिक भारतीय पर्यटक जनवरी में 92530 तथा न्यूनतम अप्रैल–मई में 0 आए। वही विदेशी पर्यटक 2020 में फरवरी मे सर्वाधिक 22,676 तथा न्यूनतम जून में 40 आए। 2020 मे कोविड की परिस्थितयों के शुरुआती महीनो मे भारतीय व विदेशी दोनों पर्यटकों की संख्या मे अधिकता रही किन्तु अप्रैल–मई–जून मे भारत सरकार द्वारा कोविड के कारण लॉकडाउन से पर्यटकों की संख्या ना के बराबर रह गयी।

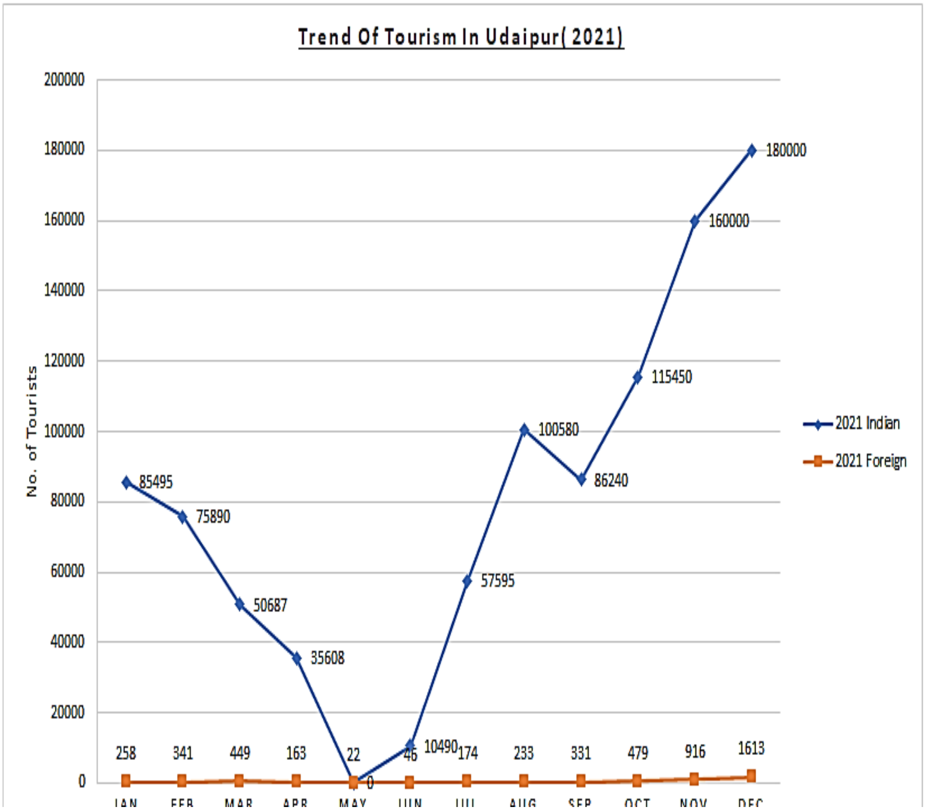

ग्राफ – E Source : RTO, Udaipur

ग्राफ E से स्पष्ट है कि 2021 में उदयपुर में सर्वाधिक भारतीय पर्यटक दिसम्बर में 180000 तथा न्यूनतम मई में 0 आए। वही विदेशी पर्यटक 2021 में सर्वाधिक दिसम्बर में 1613 तथा न्यूनतम मई में 22 आए। इसमे 2021 मे राजस्थान सरकार द्वारा कोविड के कारण लॉकडाउन की परिस्थितयों के कारण पर्यटकों की संख्या मे भारी कमी हुई व पाबंदियों के हटाने के फलस्वरूप अधिकतम संख्या 2021 के वर्ष के अंतिम महीने मे अधिकतम पहुंच गयी

पर्यटक पहुँच के आंकड़ों से स्पष्ट है कि कोविड से पहले पर्यटकों की संख्याओं में निरंतर वृद्धि दर्ज हो रही थी किन्तु कोविड के दौरान भारतीय पर्यटकों की संख्या में कमी व विदेशी पर्यटकों की संख्या में तीव्र गति से ऋणात्मकता दर्ज की गई। लॉकडाउन के बाद धीरे–धीरे पर्यटन सकारात्मक रूप से बढ़ रहा है।

➢ चयनित फर्मो / व्यक्तिगतों की औसत दैनिक आय :–

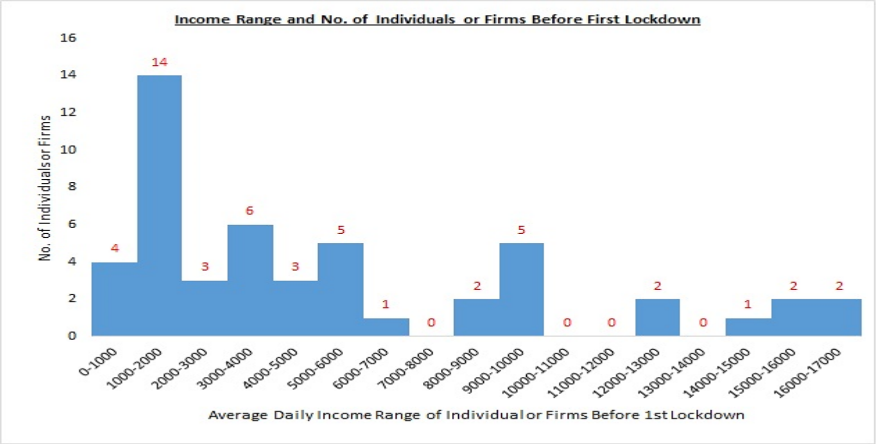

चित्र - F

(A) चित्र F में लॉकडाउन से पहले फर्मों / व्यक्तिगतों की औसत दैनिक आय के विश्लेषण में देखा गया है कि पहले लॉकडाउन (22 मार्च, 2020) से पहले सर्वाधिक फर्मों/व्यक्तिगतों की संख्या 14 है जो 1000–2000 के आय विस्तार में है इसके पश्चात् 3000–4000 में, 5000–6000 में, 9000–10000 से के आय विस्तार में है। न्यूनतम फर्म/व्यक्तिगतों की संख्या 1 है जो 6000–7000 तथा 14000–15000 के आय विस्तार में शामिल है। ग्राफ से स्पष्ट है कि 7000–8000, 10000–11000, 11000–12000, 13000–14000 में शून्य फर्म अंकित है।

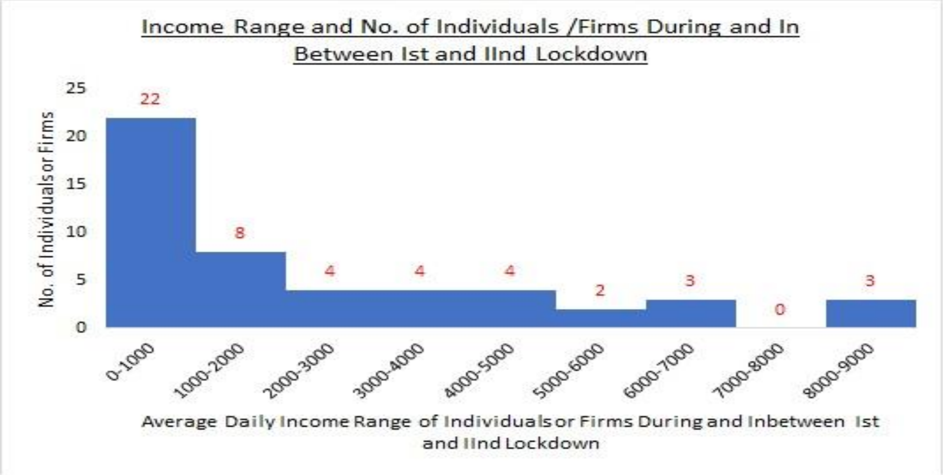

चित्र - G

(B) चित्र G में लॉकडाउन के दौरान व दोनों लॉकडाउन के बीच में (22 मार्च, 2020 – 19 अप्रेल 2021) – फर्मों/व्यक्तिगतों की औसत दैनिक आय के विश्लेषण में पाया गया कि लॉकडाउन के दौरान व दोनों लॉकडाउन के बीच सर्वाधिक फर्मों/ व्यक्तिगतों की संख्या 22 है जो 0–1000 के आय विस्तार में है। इसके पश्चात् 1000–2000 की आय विस्तार में है। न्यूनतम फर्मों/व्यक्तिगतों की संख्या 5000–6000 के आय विस्तार में 2 है तथा 7000–8000 के आय विस्तार में शून्य अंकित है।

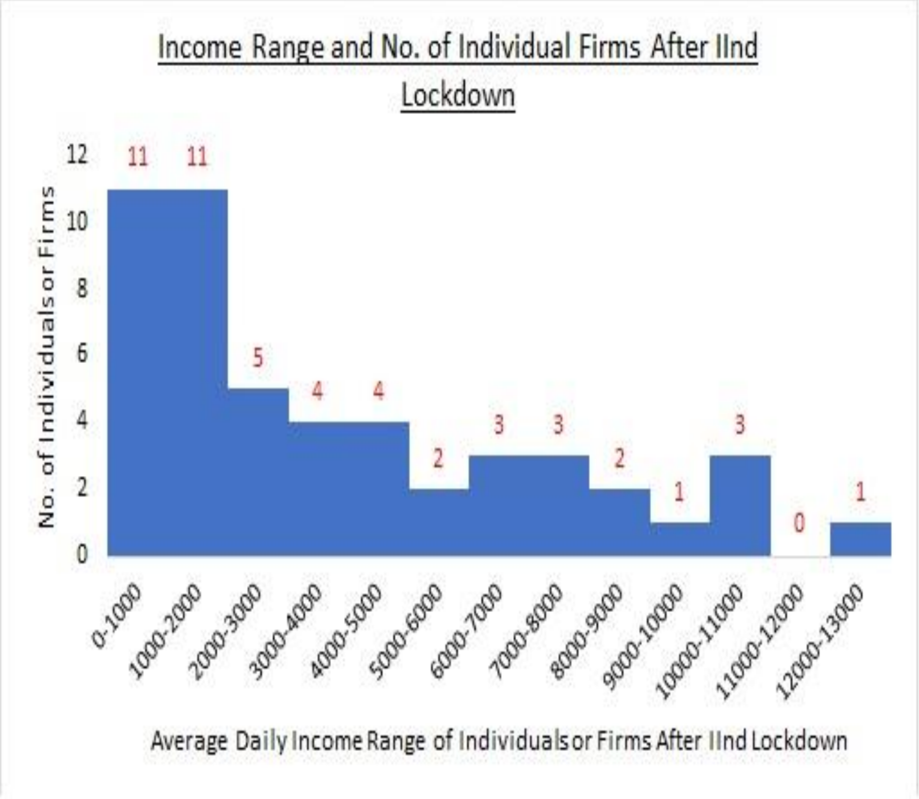

चित्र – H

(C) चित्र H में दूसरे लॉकडाउन के बाद फर्मों/व्यक्तिगत की औसत आय के ग्राफ के विश्लेषण में देखा जा सकता है कि लॉकडाउन के बाद सर्वाधिक फर्म/व्यक्तिगतों की संख्या 0–1000, 1000–2000 के आय विस्तार में समान 11–11 है। अतः न्यूनतम फर्मों/व्यक्तिगतों की संख्या 9000–10000, 11000–12000 की आय विस्तार में तथा शून्य संख्या 11000–12000 के आय विस्तार में देखी गयी।

तीनों ग्राफों से स्पष्ट है कि लॉकडाउन से पहले औसत दैनिक आय अधिकांशतः फर्मों/व्यक्तिगतों की आय 2000 से उच्च है जबकि लॉकडाउन के दौरान व दोनों लॉकडाउन के बीच में अधिकांश फर्मों/व्यक्तिगतों की संख्या 2000 से कम है। जबकि लॉकडाउन के बाद फर्मों/व्यक्तिगतों की आय में धीमी वृद्धि हो रही है तथा तीनों ग्राफों से स्पष्ट है कि लॉकडाउन से पहले आय विस्तार 17000 तक रहा किन्तु लॉकडाउन के दौरान आय विस्तार 8000–9000 तक आ गई है। उसके बाद 13000 तक आय विस्तार में धीमी वृद्धि हो रही है किन्तु स्थिति पूर्व लॉकडाउन की तरह नहीं रही अर्थात् इनकी आय लॉकडाउन के दौरान कम हुई तथा लॉकडाउन के बाद धीमी गति से वृद्धि हो रही है।

➢ चयनित फर्मो/व्यक्तिगतों के औसत दैनिक ग्राहकों की संख्या

चित्र संख्या 1

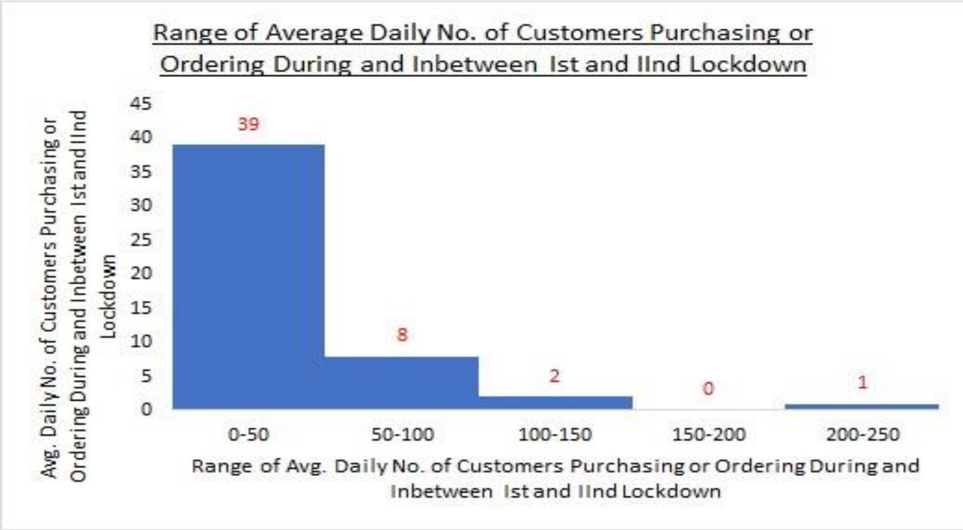

चित्र संख्या 2

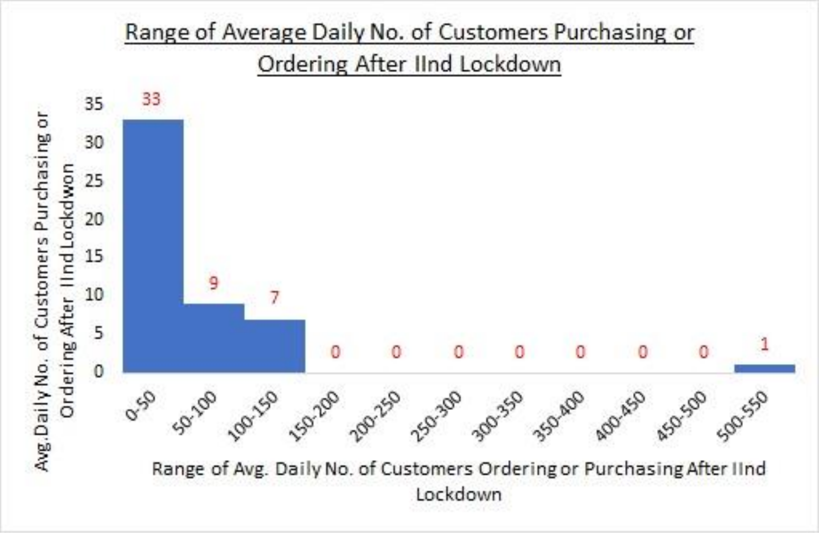

चित्र संख्या 3

(अ) चित्र 1, 2, 3 से स्पष्ट है लॉकडाउन के पहले **औसत दैनिक** ग्राहकों की संख्या चिन्हित फर्मों/व्यक्तिगतों में 300–350 तक के विस्तार में ग्राहक पहुँच रहे थे किन्तु लॉकडाउन के बीच व दौरान 100–150 ग्राहकों के विस्तार तक यह रह गया। लॉकडाउन के पश्चात् भी ग्राहकों की संख्या 100 से 150 तक ही रही ।

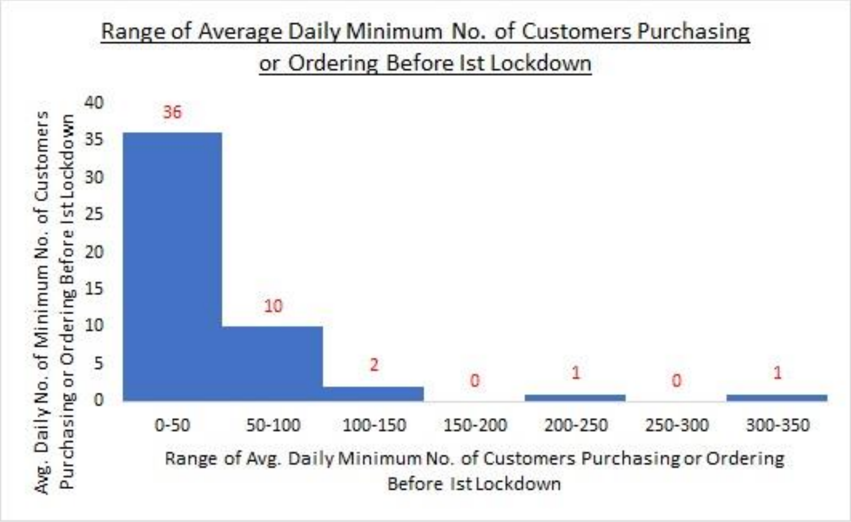

चित्र संख्या 4

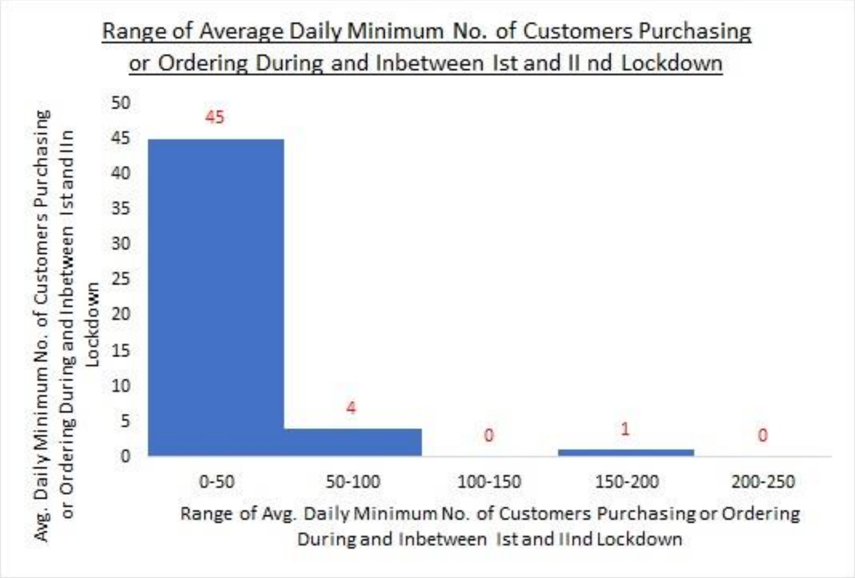

चित्र संख्या 5

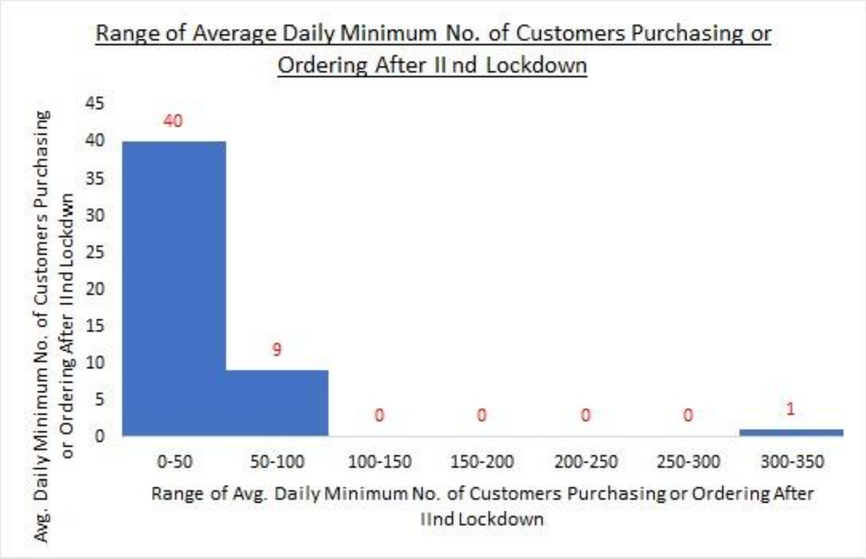

चित्र संख्या 6

(ब) चित्र 4, 5, 6 से स्पष्ट है कि लॉकडाउन से पहले **निम्नतम** ग्राहकों की संख्या प्रतिदिन चयनित फर्मों/व्यक्तिगतों में 100–150 तक हो रही थी किन्तु लॉकडाउन के बीच व दौरान 0 से 100 के बीच यह विस्तार रह गया तथा लॉकडाउन के बाद इनमें धीमी वृद्धि दर्ज की गयी।

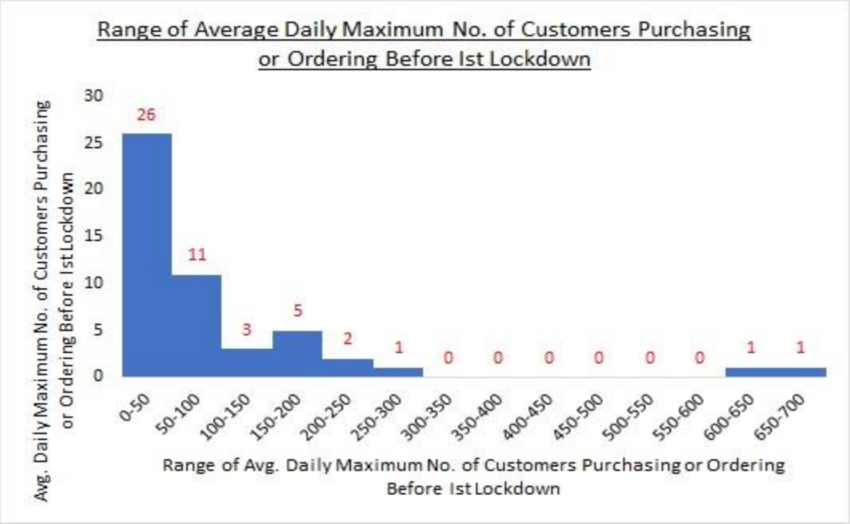

चित्र संख्या 7

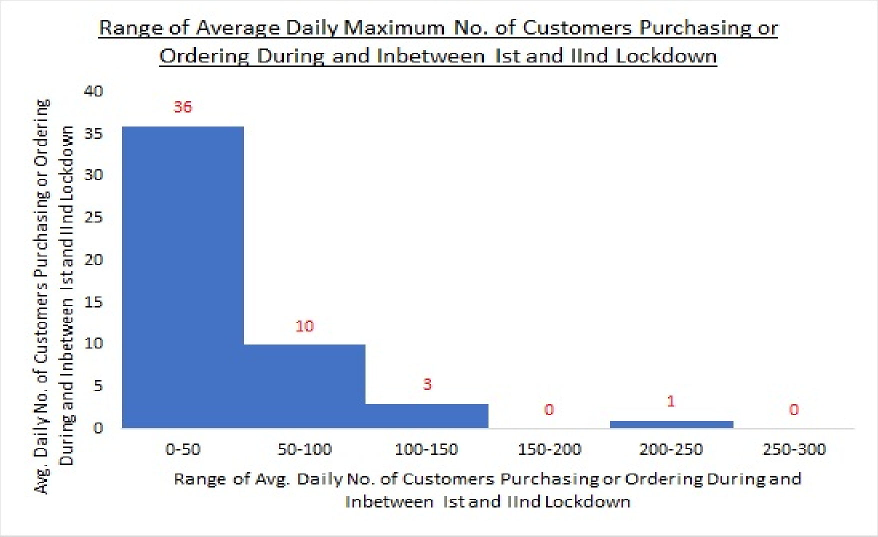

चित्र संख्या 8

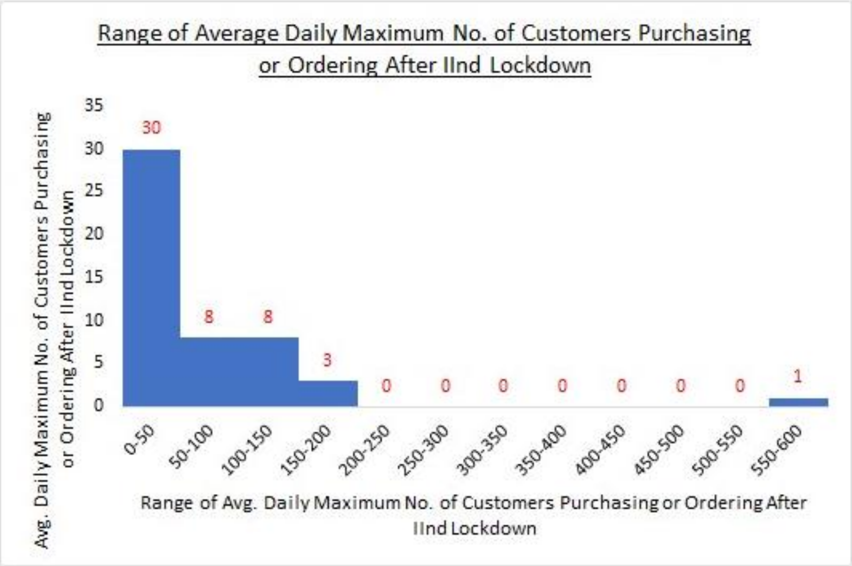

चित्र संख्या 9

(स) चित्र 7, 8, 9 से स्पष्ट है कि **उच्चतम** ग्राहकों की संख्या 250–300 तक के विस्तार में आ रहे थे जबकि लॉकडाउन के दौरान व बीच में 100–150 के विस्तार में आ रहे थे और लॉकडाउन के बाद यह विस्तार 100–150 तक पहुँच गया। अर्थात् ग्राहकों की संख्या में धीरे–धीरे सुधार हो रहा।

परिणाम व चर्चा

आर्थिक प्रभाव का स्तर :

चित्र में स्पष्ट है कि फर्मो/व्यक्तिगतों पर कोविड–19 के प्रभावों में उत्तरदाताओं में सर्वाधिक प्रभाव 62 प्रतिशत नकारात्मक श्रेणी में है। इसके पश्चात् अधिकतम नकारात्मक श्रेणी में 30 प्रतिशत है। 6 प्रतिशत उत्तरदाताओं पर इसका प्रभाव न्यूट्रल रहा तथा 2 प्रतिशत लोगों पर सकारात्मक प्रभाव रहा है।

- इसमें ट्रिस्ट गाइड श्रेणी में अधिकतर को बेरोजगारी का सामना करना पड़ा तथा कुछ ट्यूरिस्ट गाइड को जॉब प्रोफाइल भी बदलनी पड़ी।
- रिटेल सेक्टर में भी अधिकांश लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ा । लॉकडाउन के अंतर्गत आय में कमी के साथ कुछ रिटेल सेक्टर वालों को व्यवसाय पुनः स्थापित करने में समस्याएँ आयी।
- हॉटल श्रेणी में स्टाफ की कमी की चुनौतियाँ देखी गयी है। बिजनेस प्रवाह भी उतनी गति से वृद्धि नहीं कर रहा है।
- फास्ट फूड उदयपुर के ट्यूरिस्ट हॉट स्पॉट के पास महत्वपूर्ण हित धारक श्रेणी है जिसे कोविड के डर के कारण ग्राहकों की संख्या में कमी दर्ज की गयी। स्टाफ की कमी का भी सामना करना पड़ा।
- हॉटल श्रेणी के साथ सर्वाधिक घाटा टेक्सी श्रेणी को भी हुआ। क्योंकि इन्हें आय की कमी के कारण सामाजिक प्रभाव सर्वाधिक झेलने पड़े। लॉकडाउन में कारण कम आय वाली व्यवसायिक गतिविधियों को भी इन्हें चुनना पड़ा। जैसे– पेंटिग। लॉकडाउन के

बाद जो हितधारक टेक्सी से जुड़े थे, चूंकि इनमें कुछ किराये पर चल रहे थे तो इन्हें पुनः जॉब प्राप्ति में चुनौतियाँ का सामना करना पड़ा।

- हेण्डीक्राफ्ट हितधारकों की आय में भी कमी दर्ज की गई। किन्तु कुछ हेण्डीक्राफ्ट बिक्री में सकारात्मक वृद्धि देखी गयी। क्योंकि उनकी ऑनलाइन बिक्री काफी अधिक थी।

सुझाव

- उत्तरदाताओं के अनुसार प्रतिबंधों को हटाया जाये एवं उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की समय सीमा बढ़ायी जाए।
- उत्तरदाताओं के अनुसार ही प्रतिबंधों में कमी के साथ पर्यटन क्षेत्र में आर्थिक सुधार किये जाने चाहिये।
- उत्तरदाताओं के अनुसार ही उदयपुर में घरेलू / अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन की संख्या में वृद्धि के लिए तीव्र विस्तृत वेक्सीनेशन को बढ़ावा देना चाहिये ताकि पर्यटन वृद्धि हो सके। इसी से उनकी आर्थिक, सामाजिक स्तर में सुधार होगा।
- राज्य सरकार की कोविड संबंधी गाइडलाइड तथा ऑनलाइन प्रोग्राम 'दर्शन' जैसे कार्यक्रमों को व्यवहार में लाना चाहिए।

निष्कर्ष

उदयपुर जैसी ट्यूरिस्ट स्पॉट के लिए व राजस्थान के आर्थिकी में योगदान के लिए पर्यटन नीति 2020 आयी किंतु कोविड के उपरांत के हालातों की समीक्षा के साथ पर्यटन में आर्थिक सुधार किये जाने चाहिये क्योंकि पर्यटन की गति प्री–कोविड जैसी अभी भी नहीं है। इसके साथ पर्यटन हितधारकों को पर्यटन से संबंधित सरकारी विकास योजनाओं के संबंध में जागरूक किया जाना चाहिये क्योंकि सरकार ने उनके लाभ और सुधार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों / योजना चलाई, किंतु वे इस संबंध में अनभिज्ञ रहे। FHTR द्वारा प्रथम डिजिटल अभियान शुरु किया गया जिसमें राजस्थान की ट्यूरिस्ट डेस्टीनेशन को प्रमोट व पर्यटन गतिविधियों को राज्य की समृद्ध आर्ट व क्राफ्ट की विरासत से जोड़ने की मुहिम शामिल है। इसके साथ पर्यटन प्रमोशन काउंसिल को गठित किया जायेगा जो ऑफलाइन प्रमोशन, डिजिटल मार्केटिंग, कॉरपोरेशन को प्रमोट करेगी। जिससे उदयपुर के पर्यटन में सुनिश्चित सुधार हो सकेगा।

***शोधार्थी**
****सहायक प्रोफेसर**
*****विश्लेषक**
मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय,
उदयपुर (राज.)

संदर्भ सूची

- Adholiya, Ashish & Rawal, Yashwant & Albattat, Ahmad, (2022). Effect of Covid-19 Out Break on Travel and Tourism Industry : A Study in Udaipur Hotelier's Perspective. (17)69-90.
- Kristiana, Y., Pramono, R., & BRIAN, R. (2021) "Adapation Strategy of Tourism Industry Stakeholder During the Covid-19 Pandemic : A Case Study in Indonesia, The Journal of Asian Finance, Economics and Business. 8(4), 213-232.
- Samant, swinal.(2007).An exploration of the historic core along lake pichola in udaipur .177-186.
- Solanki, Shewta & Mathur, Meera, An Analytical Study on Covid - 19 : Challenge for Tourism Industry (2020). Paradigm Shift of Business in India - Opportunities, Challenges and Strategies for Sustainable Growth, 2020.

- ANNUAL PROGRESS REPORT www . rajasthan gov.in.2022 annual progress report.[online] Available at: <http://www.tourism.rajasthan.gov.in> Accessed [18 february 2022]
- Anon n.d (online) Available at <http://www.tourism.gov.in /sites/default/files/2020_04/Rajasthan.pdf> [accessed 28 february 2022]
- Anon N.d [online] Available at http://www.covid.info rajasthan.gov.in [Accessed 1 march 2022].
- Anon n.d [online] Available at <http://www.tourism.rajasthan.gov.in>[accesed 20 february 2022].
- Anon, world organization.UNWTO. Available at: https://www.unwto.org/(Accessed January 20, 2020).
- ISI, 2020. Indian Statistical institute. Available at:https:/www.isica l.ac.in/ (Accessed January 22, 2022).
- ITS, 2019. India Tourism Statistics 2019- home ministry of tourism available at: https:/tourism.gov.in/sites (Accessed January 30, 2021).